सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण आख्या
जनपद–झांसी

भ्रमण तिथिः 26.12.2017 से 29.12.2017 तक

राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई से तीन सदस्यीय भ्रमण टीम डा0 कमल मिश्रा, परमार्शदाता, क्वालिटी एशयोरेंन्स, श्री प्रभाकर तिवारी, परामर्शदाता, मातृ स्वास्थ्य एवं श्री फिरोज, कार्यक्रम समन्वयक आर.बी.एस.के. द्वारा झांसी मण्डल के जनपद झांसी की विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों का सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण दिनांक 26 से 29 दिसम्बर 2017 को किया गया है। जिसकी बिन्दुवार आख्या निम्नवत है–

➢ समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र– मोठ जनपद–झांसी

- जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत अत्याधिक (312 मोंठ) लाभार्थीयों के भुगतान लम्बित पाये गये।
- जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत पुराना फॉर्म भराया जा रहा है जिसमें निर्धारित प्रारूप के अनुसार दो कॉपी में लाभार्थी भुगतान प्रमाण पत्र संलग्न नही है। अतः छुट्टी के समय भुगतान से सम्बन्धीत लाभार्थी भुगतान प्रमाण पत्र किसी भी लाभार्थी को नही दिया जा रहा है।
- ऑक्सीटॉक्सिन खुले में पड़ा था जिसे निर्धारित मापदण्ड के अनुसार 2 से 8 डिग्री (फ्रीज में) तापमान में नहीं रखा गया था।
- जननी सुरक्षा योजना अन्तर्गत सभी प्रसूताओं को 48 घण्टे नहीं रोका जा रहा है। मोंठ में 80 प्रतिशत से ज्यादा प्रसूताएँ 24 घण्टे से कम रूक रही है।
- दिशा–निर्देश के अनुसार जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अर्न्तगत डाइट रजिस्टर का रख रखाव नही किया जा रहा है।
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत निःशुल्क भोजन (नाश्ते, लंच व डिनर) देने का स्पष्ट रूप से प्रावाधान होने के बावजूद मोंठ में मात्र चाय बिस्कुट,जिला महिला चिकित्सालय में 27.12.2017 को हमारे भ्रमण के दौरान दोपहर में मात्र नमकिन दलिया वितरित किया जा रहा था। भर्ती प्रसूताओं को नियमित रुप से भोजन व नाश्ता दिये जाने की ब्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा जे0एस0एस0के0 डाईट रजिस्टर में नियमानुसार प्रविष्टि करें।
- प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा योजना की गुंणवत्ता सुधारे जाने की आवश्यकता है।
    - किसी भी स्वास्थ्य इकाई में ''प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान'' कार्यक्रम के अर्न्तगत निःशुल्क प्रदान की जानी वाली सेवाओं के प्रचार प्रसार के लिए वाल राइटिंग नही किया गया है एवं हैंडबिल न तो छपवाया गया है न ही वितरित किया गया है।
    - ''प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान'' कार्यक्रम के अर्न्तगत मीडिया वर्कशॉप ,जनपद स्तरीय त्रैमासिक समीक्षा बैठक तथा चिन्हित जनपद व ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य इकाइयों पर त्रैमासिक बैठक भी नही किया गया है।

- ''प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान'' कार्यक्रम के अर्न्तगत प्रत्येक जनपद में एक मॉडल प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व क्लीनिक बनाया जाना प्रस्तावित है परन्तु जनपद झांसी मॉडल प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व क्लीनिक अभी तक नही बनाया गया है।
- प्रावाधान के अनुसार''प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान'' कार्यक्रम के अर्न्तगत राजकीय स्वास्थ्य इकाइयों में अपना चेक–अप कराने आने वाली गर्भवती महिलाओं को अल्पाहार उपलब्ध नही कराया जा रहा है।

- एल0–2 प्रसव इकाइओं के लिए गलत नवीन केसशीट का मुद्रण किया गया है।
- जनपद स्तरीय फैसिलिटेटरों (ब्लाक चिकित्साधिकारी एवं प्रभारी स्टाफ नर्स) के द्वारा ब्लॉक स्तर तथा उप–ब्लॉक स्तर पर स्थित प्रसव इकाइयों पर तैनात महिला चिकित्सा अधिकारी, स्टाफ नर्स एवं अन्य को नवीन केसशीट भरने की प्रक्रिया में अपक्षित मार्गदर्शन एवं सहयोग नही दिया जा रहा है इस कारण सही तरिके से नवीन केसशीट नही भरा जा रहा है।
- मातृ शिशु सुरक्षा कार्ड (एम0सी0पी0 कार्ड) पूर्ण रुप से भरे जायें। विशेषकर बचत खाता, आधार संख्या, एम0सी0टी0एस0, मोबाईल नम्बर व ए0एन0सी0 जॉच की प्रविष्टि अवश्य की जाए।
- मातृ शिशु सुरक्षा कार्ड (एम0सी0पी0 कार्ड) का मुद्रण न होनें के कारण पुराना कार्ड भराया जा रहा है एवं पंजीकरण के समय दी जाने वाली सुरक्षित मातृत्व पुस्तिका का मुद्रण भी नही हुआ है साथ ही मुख्य चिकित्साधिकारी के कार्यालय में अवितरित सुरक्षित मातृत्व पुस्तिका का काफी स्टाक पडा था।
- अधिकांशतः अभिलेखों का अवलोकन करने पर पाया गया कि ए0एन0सी0 पंजीकरण द्वितीय एवं तृतीय त्रैमास में हो रहे हैं। अतिशीघ्र पंजीकरण कराये जायें।
- दिशा–निर्देश के अनुसार न तो मातृ मृत्यु समीक्षा की जा रही है न ही रिपोर्टिंग उचित तरिके से किया जा रहा है।

<u>जनपद की वित्तिय रिपोर्ट/लेखा व्यवस्था</u>

- नवम्बर 2017 तक के वित्तिय रिपोर्ट के अनुसार अवमुक्त एवं कमिटेड के सापेक्ष निम्नलिखित 13 मदों में शुन्य व्यय किया गया है।
  - एफ0एम0आर0 संख्या ए.1.3.2.सी.मान्यता प्राप्त प्राईवेट नर्सिंग होम/चिकित्सालय में बी0पी0एल0 लाभार्थीयों के सीजेरियन प्रसव
  - एफ0एम0आर0 संख्या बी.16.2.1.3.1 निःशुल्क औषधियाँ तथा कन्ज्यूमेबिल्स
  - एफ0एम0आर0 संख्या बी.10.7.4.12 प्रिटिंग ऑफ एम.डी.आर. फॉर्मेट
  - एफ0एम0आर0 संख्या बी.1.1.1.3.1.2 मातृ मृत्यु की सूचना देने पर समुदाय को दी जाने वाली प्रोत्साहन धनराशि
  - एफ0एम0आर0 संख्या ए.1.4.2 मातृ मृत्यु समीक्षा जनपद स्तर पर द्विमासिक समीक्षा बैठक
  - एफ0एम0आर0 संख्या ए.1.4.3 मातृ मृत्यु समीक्षा मण्डल स्तर पर 04 त्रैमासिक समीक्षा बैठकों
  - एफ0एम0आर0 कोड– बी.10.7.1 मातृ शिशु सुरक्षा कार्ड (एम0सी0पी0 कार्ड) एवं पंजीकरण के समय दी जाने वाली सुरक्षित मातृत्व पुस्तिका के मुद्रण ।
  - एफ0एम0आर0 कोड–बी0 16.1.1.3.5 एच0आई0वी0 पॉजिटिव गर्भवती महिलाओं के प्रसव दौरान प्रयोग की जाने वाली सुरक्षित प्रसव किट के क्रय ।
  - एफ0एम0आर0 कोड–बी.30.19.2 बी.30.19.3 एवं बी.30.19.4 एफ0आर0यू0 पर विशेषज्ञ चिकित्सकों को कॉल पर बुलाने की व्यवस्था एवं मानदेय
  - एफ0एम0आर0 संख्या ए.1.5.4 प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अन्तर्गत
    - प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के प्रचार–प्रसार
    - प्राइवेट चिकित्सकों हेतु मोबिलिटी
    - गर्भवती महिलाओं हेतु सूक्ष्म जल–पान

- गर्भवती महिलाओं हेतु पी0पी0पी0 मोड से अल्ट्रासाउण्ड की जाँच की

<u>जनपद की भौतिक रिपोर्ट</u> : नवम्बर 2017 तक के भौतिक रिपोर्ट

- जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत जनपद के भौतिक रिपोर्टो में एकरूपता नही है।यू0पी0एच0एम0आई0एस0 के अनुसार 13,710 एवं एच0एम0आई0एस0 के अनुसार 13,860 संस्थागत प्रसव है । जबकि सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण के दौरान प्रस्तुत की गई भौतिक रिपोर्ट में संस्थागत प्रसव 18,072 संस्थागत प्रसव दिखाया गया है।
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत
    - निःशुल्क भोजन प्राप्त गर्भवती महिलाओं की संख्या–यू0पी0एच0एम0आई0एस0 के अनुसार 4,356 एवं एच0एम0आई0एस0 के अनुसार शुन्य है। जबकि सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण के दौरान प्रस्तुत की गई भौतिक रिपोर्ट में संस्थागत 14,424 दिखाया गया है।
    - निःशुल्क उपचार प्राप्त गर्भवती महिलाओं की संख्या –यू0पी0एच0एम0आई0एस0 के अनुसार 5,996 एवं एच0एम0आई0एस0 के अनुसार शुन्य है। जबकि सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण के दौरान प्रस्तुत की गई भौतिक रिपोर्ट में संस्थागत 34,214 दिखाया गया है।
    - निःशुल्क नियमित जाँचें गर्भवती महिलाओं की संख्या–यू0पी0एच0एम0आई0एस0 के अनुसार 6,755 एवं एच0एम0आई0एस0 के अनुसार शुन्य है। जबकि सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण के दौरान प्रस्तुत की गई भौतिक रिपोर्ट में संस्थागत 28,979 दिखाया गया है।

♦ <u>जिला महिला चिकित्सालय – झांसी</u>

- डा0 पी0के0खत्री, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक तैनात है।
- ओ0 पी0 डी0 में लगे वाटर टैन्क में एल्गी पायी गयी जिसके लिये हास्पीटल मैनेजर को सफाई करने के निर्देश दिये गये अगले दिन उसकी सफाई कर दी गयी।
- अल्ट्रासाउण्ड कक्ष में प्राइवेसी का ध्यान नही रखा जा रहा था जिसके लिये सम्बन्धित को निर्देशित किया गया कि लाभार्थी को जॉच के दौरान चादर से ढका जाये।
- लेबर रुम में न्यू वार्न केयर कार्नर में सक्शन मशीन में लगी टयूब पुरानी एवं उपयोग की हुई थी एवं पूर्व जॉच के अवशेष सक्शन जार में पाये गये। सम्बन्धित को निर्देशित किया गया कि नई टयूव कवर के साथ लगी हुई होना चाहिए। सेक्शन के जार को ट्रिटमेन्ट के बाद डिस्पोज करके साफ पानी रखा जाये।
- न्यू वार्न केयर कार्नर में तेल की शिशियॉ पायी गयी जिसके तुरन्त ही हटवाया गया एवं भविष्य में उपयोग न करने के सुक्षाव दिया गये।
- एन0बी0एस0यू0 सही अवस्था में नही था। इमरजेन्सी ड्रग ट्रै में इस्पायरी डेट मेन्शन नही था जिसको करने का सुक्षाव दिया गया।
- लेवर रुम में प्रोटोकाल पोस्टर यथा स्थान नही लगे थे जैसे ब्लीचिंग धोल बनाने वाला लेबर टेवल के सामने लगा था। पी0पी0एच0 एवं आक्सीटोसीन के पोस्टर पीछे लगे हुए थे।
- लेबर रुम में साफ सफाई का अभाव पाया गया। लेबर टेवल के साइट पर मरीज के वोमेटिंग के धब्बे पाये गये। टेबल पर उपलब्ध मैकेनटास पर खून के धब्बे पाये गये। कैलीस पैड में हवा नही भरी गयी थी।
- लेबर रुम में सात ट्रे में मानके के अनुसार दवाये एवं उपकरण नही रखे हुए थे। जिसको मानक के अनुसार व्यवस्थित करने हेतु सम्बन्धित को सुक्षाव दिया गया।

- दूसरे लेबर रुम में दो लेबर टेवल थी जिनका उपयोग न होने के बाद भी रखरखाव में पायी गयी। मैकेन्टास फटी पायी गयी। टेबल एवं आस पास के स्थान पर खून के धब्बे थे। 7 खाली ट्रे रखी हुई थी कई दिनों से सफाई नही की गयी थी।
- उक्त लेबर रुम को सेप्टिक लेबर रुम को व्यवस्थित करने तथा उपयोग करने के सुक्षाव दिये गये।
- लेबर रुप ट्राइलेट बहुत गन्दा था ऐसा प्रतित होता है कि उसका उपयोग नही किया जा रहा था। उसमें साफ सफाई के सामान इत्यादि रखे हुए थे। उसकों उपयोग हेतु बनाने तथा उसका सामान अन्य जगह रखवाने तथा उसका उपयोग लाभार्थी हेतु करने का सुक्षाव दिया गया।
- वायो मेडिकल वेस्ट का निस्तारण मानकानुसार नही हो रहा है। डस्टवीन कोरीडोर में रखे हुऐ थे एवं खुले हुए थे। सुचर निडिल गेट पर पायी गयी।
- दोनो लेबर रुम के बाद में एक कक्ष में कक्ष को ग्लब्स बनाने के लिये उपयोग किया जा रहा था जिसपे ग्लब्स अव्यस्थित अवस्था में रखे गये थे। पाउडर इत्यादि बिखरे हुए थे। उक्त कक्ष को मिनी स्टोर रुम के रुप में उपयोग करने के लिये सुक्षाव दिये गये।
- कारीडोर में अल्मारी, दवा, रजिस्टर इत्यादि अव्यस्थित अवस्था में रखे हुए थे जिनको मिनी स्टोर रुम में 5 एस0 के अनुसार रखने के सुक्षाव हास्पिटल मैनेजर को दिया गया।
- डाक्टर रुम, नर्स रुम, आया रुम लेबर काम्पलेक्स के बाहर थे। एक छोटे कमरें में ए0एन0सी0 एवं पी0एन0सी0 लाभार्थियों को रखा जाता था। आया रुम को शिफ्ट करके एक रुम ए0एन0सी0 एवं एक पी0एन0सी0 रुम बनाने के सुक्षाव दिये गये एवं जहॉ आलमारी रखे गये थे वहा मिनी नर्सिंग स्टेशन बनो का सम्बन्धित को सुक्षाव दिया गया जिससे लेबर रुम के मॉ एवं नवजात शिशु की देखभाल सुनिश्चित किया जा सके।
- लेबर रुम के बाहर लाभार्थियों के साथ आये लोग जमीन पर बैठे हुए थे जिसके लिये लोगों बैठने लिये कुर्सी लगाने के सुक्षाव दिये गये।
- मेटर्निटी वार्ड में वेड मानकानुसार नही लगाये गये थे, नर्सिंग स्टेशन में ताला लगा हुआ था। मरीज की देखभाग लेबर रुम में उपस्थित स्टाफ द्वारा किया जा रहा था। सुक्षाव दिया गया कि नर्सिंग स्टेशन में एक स्टाफ की व्यवस्था की जाये जिससे वे मरीज का सही देखभाल कर सकें।
- साथ में दो तरह के डस्टबीन वायों डिग्रडेबल एवं नान वायों डिग्रडेबल अवशिष्ट डालने के लिये रखने का सुक्षाव दिया गया।
- मरीज हेतु ट्रावलेट साफ नही थे, गंध आ रही थी, वाटर सप्लाई भी वाधित था।
- वार्ड की सफाई व्यवस्था भी संतोष जनक नही पायी गयी।
- एस0एन0सी0यू0 एक ही कक्षा में अवस्थित था जिसमें इन–बार्न एवं आउट बार्न शिशु रखे जा रहे थे। पार्टिशन कराकर यूनिट को दो भागों में विभाजित कर इन–बार्न एवं आउट बार्न शिशु को अलग–अलग रखे जाने का सुक्षाव दिया गया। एस0एन0सी0यू0 के बाहर जहॉ पर नवजात शिशु की प्राथमिक जॉच छोटे टेबल पर की जा रही थी और एक कार्नर में दवायें, बच्चें को रखने वाली यूनिट पर रखी गयी थी। सुक्षाव दिया गया कि उस यूनिट को साफ सफाई करके नवजात शिशु की प्राथमिक जॉच उस पर की जाना सुनिश्चित की जाये।
- एस0एन0सी0यू0 में ब्रेस्ट फिडिंग कार्नर नही था जिसको बनाने का सुक्षाव दिया गया।
- एस0एन0सी0यू0 कक्ष में अनुपयोगी उपकरण को किसी अन्य कक्ष में रखने का सुक्षाव दिया गया।
- जहॉ पर एस0एन0सी0यू0 के कपडें धुले जाते थे वह स्थान पुरा खुला हुआ था और वही पर उपकरण का स्ट्रलाइजेशन किया जा रहा था। स्थान को कवर करते हुए वाशिंग एवं स्ट्रलाइजेशन जोन में विभाजित करने का सुक्षाव दिया गया।
- डिजिटल वेइंग मशीन पर गाज पीस का कुशन बना कर उसे ल्यूकोप्लास्ट से चिपका दिया गया था। सुक्षाव दिया गया मशीन पर गाज पीस बच्चें का बजन लेने के बाद उसका निस्तारण कर दिया जाये जिससे किसी अन्य नवजात को संक्रमण न हो सकें।
- ओ0टी0 जोनिंग नही थी और ओ0टी0 में जाने से पहले चप्पल उपलब्ध नही थे। जोंनिग हेतु हास्पिटल मैनेजर को सुक्षाव दिया गया कि डर्टी जोन को कहा बनाया जा सकता है यह भी हास्पिटल मैनेजर को बताया गया जिससे कि मानकानुसार ओ.टी. में जोनिंग सुनिश्चित की जा सके। एक ही कक्ष में मिनी ओ0टी0, स्टोर पाया गया जिसे पार्टिशन कर अलग विभाजित करने का सुक्षाव दिया गया।

- ओ0टी0 रुम में इक्सपायरी एवं नियर इक्सपायरी दवायें पायी गयी। उपस्थित स्टाफ को निर्देशित किया गया कि अविलम्ब उसको हटाया जाये एवं शिफ्ट में आने पर दवाओं की जॉच की जाये। रखी हुई दवायें की लाइन लिस्ट कर इस्पायरी डेट लिखी जाये।
- आटो क्लब ड्रम पर आटो क्लेब डेट नही डाली गयी थी।
- सभी चिन्हित स्थानों पर अल्कोहल वेस्ड हैण्ड एवं सोप डिस्पेन्सर उपलब्ध कराने के लिये सुक्षाव दिया गये।
- चिकित्सालय में ब्लड सटोरज यूनिट आंशिक संचालित है किन्तु ब्लड बैंक नही है। कुछ परीक्षण हेतु जिला चिकित्सालय भेजा जाता है।
- मरीजों के अटेन्डन्ट के रहने हेतु रैन बसेरा व्यवस्थित करने की आवश्यकता है, जिसमें शौचालय, लॉकर इत्यादि की सुविधा हो।
- परिसर में अव्यवस्थित रूप से यहां वहां गाडी लगी हुई थी। यदि आपातकालीन स्थिति में किसी मरीज को 108/102 से लाया जाये तो मरीज को परिसर के अंदर लाना सम्भव नही है।
- एक लाभार्थी से वार्ता की गयी तो लाभार्थी ने बताया कि वे अपने साधन से आयी है जिसके लिये अवगत कराया गया कि बारह खम्बा एरिया में एम्बुलेन्स नही जाती है। जिसके लिये 102 एवं 108 जनपदीय कोआर्डिनोटर को उस एरिया की जॉच कर मुख्य चिकित्सा अधिकारी को रिपोर्ट करने के निर्देश दिये गये।
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को दिये जा रहे भोजन एव नाश्ते के विवरण से सम्बन्धित कोई भी अभिलेख प्रस्तुत नहीं किये गये। निर्धारित प्रारुप में अभिलेख तैयार कराये जाने की आवश्यकता है। वार्ड में जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम का दिवार लेखन पाया गया।
- शिकायत पेटिका तो अस्पताल परिसर में थी किन्तु शिकायतों के पंजीकरण व निस्तारण से सम्बन्धित कोई भी अभिलेख नहीं तैयार किये जा रहे थे। निर्धारित प्रारुप में अभिलेख तैयार कराये जाने की आवश्यकता है।

एन0 आर0 सी0

- एन0आर0सी0 रानी लक्ष्मी बाई मेडिकल कालेज के वार्ड न0 15 के पीडियाट्रिक वार्ड में संचालित किया जा रहा है।
- वार्ड में जाने हेतु कही भी संकेतक नही बने है। वार्ड के पास ही संक्रमित बच्चों हेतु संकमण वार्ड बना था जो बहुत ही दयनीय स्थिति में था।
- दिनांक 29.12.2017 को एन0आर0सी0 में 5 बच्चें भर्ती पाये गये जो आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा चिन्हित कर लाये गये थे। अन्य के माध्यम से बहुत कम बच्चे एन0आर0सी0 में रेफर किये जा रहें है।
- साफ–सफाई का अभाव पाया गया, दो बेड के बीच स्थान भी मानकानुसार नही था। बच्चों के खेलने हेतु कोई स्थान नही था एवं कोई खिलौने भी नही पाये गये।
- रसोई धर नीचे बना था स्थान की कमी थी, स्वच्छता का अभाव था। फ्रिज में खली डिब्बें रखे गये थे एवं उसका सामान बाहर रखा गया था।
- सी0एम0एस0 से चर्चा कर एन.आर.सी. का संकेतक लगाने का अनुरोध किया गया जिसके लिये उन्होंने एक सप्ताह के अन्दर लगाने का आश्वासन दिया।

♦ नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बरुआसागर – झांसी

- नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य बरुआसागर, डा0 राहुल गुप्ता, प्रभारी चिकित्साधिकारी उपलब्ध थे।
- स्वास्थ्य केन्द्र पर 3 स्टाफ नर्स एवं 1 ए0एन0एम0 कार्यरत है।
- इस वित्तीय वर्ष में 395 प्रसव किये जा चुके है। हर माह 40–50 प्रसव किये जाते है।
- प्रसव केन्द्र में साफ सफाई अच्छी थी।

♦ नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सरकरार – झांसी

- नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सरकरार को उत्कृष्ठ सेवाओं एवं रखा रखाव के कारण प्रदेश की बेहतरीन स्वास्थ्य इकाई का पुरस्कार प्राप्त हुआ। डा0 गौर, मुख्य चिकित्सक अधीक्षक महोदय के उपलब्ध कराये गयी धनराशि सें स्वास्थ्य इकाई का सुढडीकरण किया जाना सम्भव हुआ है।
- स्वास्थ्य इकाई में एक स्टाफ नर्स एवं वार्ड ब्याय रात्री में रूकता है क्योंकि चिकित्सको एवं स्टाफ नर्सो हेतु स्टाफ क्वाटर उपलब्ध नही है। परिसर में समुचित क्षेत्र होने के बावजूद चिकित्सकों एवं स्टाफ हेतु निवास स्थान नही है, जिसको बनवाने की आवश्यकता है।
- चिकित्सा अधीक्षक महोदय के प्रयासों के कारण परिसर में एक हर्बल गार्डन स्थापित किया गया है जो एक बहुत सराहनीय प्रयास है।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर बिजली एवं पानी की बड़ी समस्या है। सोलर पैनल हेतु धनराशि उपलब्ध नही है।

- दिवाल लेखन समुचित पाया गया किन्तु अन्य आईई0सी0 के प्रदर्शन की आवश्यकता है। पी0एच0सी0 पहचने हेतु मार्ग में संकेतको को लगवाने की आवश्यकता क्योकि मात्र एक संकेतक मुख्य मार्ग के मोड पर लगा है। मुख्य द्वार मे गेट के उपर मानकानुसार स्वास्थ्य इकाई के नाम का बोर्ड लगवाने की आवश्यकता है।

♦ उपकेन्द्र भिटौरा – झांसी

- उपकेन्द्र भिटौरा, ए.एन.एम0 जावित्री देवी एवं आशा उपस्थित थी।
- साफ–सफाई अच्छी है। उपलब्ध औषधियां की उपलब्धता/सेवायें दिवारों में अंकित कराने की आवश्यकता है।
- दो आशा साधना एवं मख्खन उपस्थित पाई गई।
- ए0एन0एम0 ने अवगत कराया गया कि कैल्शियम एवं निश्चय उपलब्ध नहीं था।
- गर्भवती महिलाओं को आयरन की ब्लू गोली दी जा रही है। ए0एन0एम0 ने अवगत कराया गया कि आयरन की लाल गोली उपलब्ध नहीं है, जिसके लिए जिला कार्यक्रम प्रबन्धक को इस सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया।
- लेबर रूम में लेबर टेबल पर गद्दा एवं मेकन्टास नहीं थे, जिसके लिए ए0एन0एम0 को सी0एच0सी0 पर अधिक्षक को अवगत कराने एवं वहा से व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये।
- उपकेन्द्र पर बिजली की व्यवस्था नहीं है, जबकि बिजली का तार वहां से गुजरा हुआ है, जिसके लिए ए0एन0एम0 को गांव के प्रधान से वर्ता कर कनेक्शन लेने का सुझाव दिया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी से भी इस सम्बन्ध में वार्ता की गई। उनके द्वारा सम्बन्धित विधायक एवं प्रधान से वार्ता कर कार्यवाही किये जाने का आश्वासन दिया गया।

वी0एच0एन0डी0 सत्रः– नई बस्ती, बरुआ सागर

- टीकाकरण सत्र नई बस्ती, बरुआ सागर में संचालित किया जा रहा था।
- ए0एन0एम0 अन्नपूर्णा अवस्थी आशा, मुन्नी देवी उपस्थित थी। आंगनवाड़ी उपलब्ध नही थी।
- सभी टीके उपलब्ध थे लेकिन ए0एन0सी0 चेक अप हेतु कोई स्थान उपलब्ध नही था।

- बच्चो की बजन मशीन उपलब्ध नही थी।
- ए0एन0सी0 एवं0 पी0एन0सी0 की कोई समुचित व्यवस्था नही थी।
- हब कटर, एवं पन्चर प्रुफ वाक्स उपलब्ध नही था।

वी0एच0एन0डी0 सत्रः– सकरार

- टीकाकरण सत्र उपकेन्द्र सकरार पर संचालित किया जा रहा था।
- ए0एन0एम0 रानी देवी, आशा, सुनिता देवी, अंगुरी देवी, रानी एवं सुनिता उपस्थित थी। डयू लिस्ट उपलब्ध था।
- सभी टीके उपलब्ध थे लेकिन ए0एन0सी0 चेक अप हेतु कोई स्थान उपलब्ध नही था।

♦ **सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र – बबीना**

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बबीना तक पहूंचने के कोई संकेतक नही लगे। मुख्य गेट पर नाम का बोर्ड लगा है किन्तु मार्ग में भी संकेतकों का लगवान अत्यंत आवश्यक है।
- मानव संसाधन की कमी है। आपातकालीन चिकित्सक हेतु मात्र चिकित्सक अधीक्षक है। चिकित्सालय में स्टाफ नर्स की कमी है।
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बबीना का परिसर छावनी क्षेत्र में आने के कारण Bio Medical Waste के निस्तारण हेतु आर्मी की गाड़ी आती है जो नियमित है। उक्त हेतु अधीक्षक महोदय द्वारा आर्मी के सी0ओ0 से सम्पर्क स्थापित कर नियमित करने का प्रयास किया जा रहा हैं। जिसके फलस्वारूप प्रत्येक दूसरे दिन गांडी आने लगी। जबकि परिसर में बायोमेडिकल वेस्ट कचरा घर भी स्थापित है किन्तु परिसर में ही पशु चिकित्सालय होने के काण गंदगी पाई गई।
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बबीना पर प्रसव उपरान्त लाभार्थी 48 धण्टे नही रुक रहें है।
- आर0बी0एस0के0 टीम के सम्बन्ध उन्होंने अवगत कराया कि टीम के सदस्यों को कई पत्र देने के बाद भी उनके कार्य में सुधार नही हो रहा है। टीम के प्रत्येक सदस्य द्वारा मूवमेन्ट रजिस्टर नही भरा जा रहा है। टीम के इक्यूमेन्ट, रजिस्टर,इत्यादि सभी गाड़ी में रखे रहते है। आर.बी.एस.के. के अन्तर्गत संचालित वाहन का लाग बुक एक वाहन का एक माह से एवं दूसरी वाहन का दो माह से नही भरा गया है।
- आर.बी.एस.के. टीम के अन्तर्गत पायी गयी कमियों को नोडल अधिकारी, आर0बी.एस.के. से राज्य स्तरीय टीम द्वारा अवगत करा दिया गया। उनके द्वारा कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया।

आर0बी0एस0के0 –

- दिनांक 28.12.2017 को आर.बी.एस.के. टीम बबीना का भ्रमण किया गया। 12.40 पर क्षेत्र में पहुंच कर बबीना टीम बी को दूरभाष पर वार्ता की गयी कि वे कहां पर है तो टीम के सदस्यों द्वारा अवगत कराया गया कि वे आंगनवाड़ी का भ्रमण करके धर जा चुके है जबकि टीम के सदस्यों को यह जानकारी थी कि राज्य स्तर से प्रयवेक्षण हेतु टीम आयी हुई है। अधीक्षक से वार्ता की गयी तो उन्होंने अवगत कराया कि टीम 10.40 पर सी.एच.सी. से स्वास्थ्य परीक्षण हेतु निकली है। दो धण्टे के अन्दर ही टीम द्वारा सी.एच.सी. से क्षेत्र में जाकर एवं स्वास्थ्य परीक्षण करके धर भी पहुंच गये जो पोषणीय नही है।
- दिनांक 29.12.2017 को चिरगांव आर.बी.एस.के.टीम बी का भ्रमण किया गया। टीम के सभी सदस्य उपस्थित पाये गये। टीम द्वारा उस समय 48 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया है। टीम के पास सभी उपकरण नही थे एवं टीम के पास आर.बी.एस.के. के अन्तर्गत ई.डी.एल. के अनुसार कोई भी दवा उपलब्ध नही थी।

- राज्य स्तरीय टीम द्वारा प्राथमिक विद्यालय गुलारा, चिरगॉव का भ्रमण किया गया। आयरन की पिंक गोली उपलब्ध थी। सभी बच्चों द्वारा प्रत्येक सोमवार को गोली खायी जाती है। अध्यापक श्रीमती राधा गुप्ता द्वारा बताया गया कि अभी किसी बच्चें को आयरन खाने के उपरान्त कोई समस्या नही आयी है।

मोहम्मद फिरोज,	प्रभाकर तिवारी	डा0 कमल मिश्रा
कार्यक्रम समन्वयक आर.बी.एस.के.	परामर्शदाता, मातृ स्वास्थ्य	परामर्शदाता, क्वालिटी एश्योरेन्श